कानपुर, शुक्रवार, 20 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 72, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड चंद्रघंटाः मां दुर्गा की तीसरी शक्ति की पावन कथा...>Pg12

लालबंगला मंडी में अवैध रिफिलिंग का भंडाफोड़...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

व्हाट्सएप कॉल रिकॉर्डिंग बनी अहम सबूत, कोर्ट बोली "गंभीर मामलों में नहीं बरती जाएगी नरमी"

भ्रष्टाचार में फंसी IRS की जमानत नामंजूर

भ्रष्टाचार पर हाईकोर्ट का सख्त रुख

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (GST) विभाग की आईआरएस अधिकारी प्रभा भंडारी को रिश्वत मामले में बड़ी राहत नहीं मिल सकी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर अपराधों में अदालत किसी भी तरह की उदारता नहीं बरतेगी।

न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि आरोपी के खिलाफ उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बेहद ठोस और गंभीर हैं, जो उनकी संलिप्तता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। अदालत ने माना कि ऐसे मामलों में सख्ती बरतना न्याय के हित में आवश्यक है। इस प्रकरण में सीबीआई द्वारा

प्रस्तुत व्हाट्सएप कॉल रिकॉर्डिंग सबसे अहम साक्ष्य के रूप में सामने आई। रिकॉर्डिंग में कथित तौर पर प्रभा भंडारी अपने अधीनस्थ अधिकारी को रिश्वत की रकम को 'सोने में बदलने' के निर्देश देती सुनाई दे रही हैं। अदालत ने इसे गंभीर आपराधिक संकेत मानते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, झांसी में तैनाती के दौरान प्रभा भंडारी ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर जीएसटी चोरी के एक मामले को दबाने के बदले व्यापारियों से करीब डेढ़ करोड़ रुपये की मांग की थी। सीबीआई ने कार्रवाई के दौरान सह-आरोपी अधीक्षक अजय शर्मा के पास से 70 लाख रुपये बरामद किए थे। जांच एजेंसी ने प्रभा भंडारी को इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड बताया है।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी के पास से कोई धनराशि बरामद नहीं हुई है और मानवीय आधार पर जमानत दी जानी चाहिए। हालांकि अदालत ने इन तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि पद का दुरुपयोग कर इस तरह के निर्देश देना अपने आप में गंभीर अपराध है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद प्रभा भंडारी को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। मामले में आगे की सुनवाई जारी रहेगी और जांच एजेंसियां अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही हैं। यह फैसला न सिर्फ इस मामले में अहम है, बल्कि भ्रष्टाचार के खिलाफ न्यायपालिका के सख्त रुख को भी दर्शाता है।

कब क्या हुआ

- **झांसी तैनाती के दौरानः** GST चोरी के मामले को दबाने के बदले व्यापारियों से करीब 1.5 करोड़ रुपये की मांग का आरोप
- **CBI की शुरुआती जांचः** व्हाट्सएप कॉल रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें रिश्वत को 'सोने में बदलने' की बात
- **ट्रैप कार्रवाईः** सह-आरोपी अधीक्षक अजय शर्मा के पास से 70 लाख रुपये बरामद
- **जांच में खुलासाः** प्रभा भंडारी को पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड बताया गया
- **जमानत याचिका दाखिलः** बचाव पक्ष ने बरामदगी न होने और मानवीय आधार का तर्क दिया
- **हाईकोर्ट का फैसलाः** गंभीर साक्ष्यों का हवाला देते हुए जमानत याचिका खारिज

माओवादी कनेक्शन में 16 साल बाद सजा, तीन दोषियों को 10-10 वर्ष की कैद

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ/कानपुर। करीब 16 साल पुराने माओवादी कनेक्शन मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए लखनऊ की NIA स्पेशल कोर्ट ने तीन अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास के साथ 29-29 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

यह मामला वर्ष 2010 में कानपुर के किदवई नगर क्षेत्र से माओवादी संगठन से जुड़े तीन लोगों की गिरफ्तारी से जुड़ा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, तीनों आरोपी प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) से जुड़े थे और संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

मामले में कार्रवाई करते हुए यूपी एसटीएफ ने 8 अक्टूबर 2010 को कानपुर के किदवई नगर इलाके से तीनों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से संदिग्ध दस्तावेज और संगठन से जुड़ी सामग्री

किदवई नगर से 2010 में हुई थी गिरफ्तारी, NIA स्पेशल कोर्ट ने सुनाया फैसला; जुर्माना भी लगाया गया

भी बरामद की गई थी, जिसे जांच में अहम साक्ष्य माना गया।

बाद में मामले की विवेचना यूपी एंटी टेररिज्म स्कॉव्ड (ATS) को सौंपी गई, जिसने विस्तृत जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। लंबे

समय तक चली सुनवाई और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद एनआईए स्पेशल कोर्ट ने सभी तीनों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित संगठन से जुड़कर देशविरोधी गतिविधियों में संलिप्तता गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में कठोर दंड आवश्यक है, ताकि समाज में कानून का संदेश स्पष्ट रूप से पहुंचे। यह फैसला नक्सल और माओवादी गतिविधियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई में एक अहम कड़ी माना जा रहा है, जो यह संकेत देता है कि ऐसे मामलों में कानून की पकड़ भले देर से हो, लेकिन सख्ती से होती है।

क्या था मामला?

- 8 अक्टूबर 2010 को कानपुर के किदवई नगर से तीन संदिग्ध गिरफ्तार
- कार्रवाई उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा की गई
- तीनों का संबंध प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) से बताया गया
- कब्जे से आपत्तिजनक साहित्य और दस्तावेज बरामद
- जांच उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता को सौंपी गई
- एंटी टेररिज्म स्कॉव्ड (ATS) ने चार्जशीट दाखिल की
- लंबी सुनवाई के बाद लखनऊ की एनआईए स्पेशल कोर्ट ने सुनाया फैसला
- तीनों को 10-10 साल की सजा और 29-29 हजार रुपये जुर्माना

एल्डिगो टाउनशिप में 'बिजली खेल' का बड़ा खुलासा!

पुराने लोड को नया बताकर करोड़ों का हुआ खेल?

1600 KVA पुराने कनेक्शन पर ही चल रहा पूरा प्रोजेक्ट, अलग-अलग रेरा प्रोजेक्ट्स को नहीं मिला अलग कनेक्शन, 4 करोड़ की मांग और 10 ट्रांसफार्मर पर उठे सवाल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।शहर की चर्चित एल्डिगो टाउनशिप परियोजना बारासिरोही अब एक बड़े विवाद के केंद्र में आ गई है। बिजली लोड, कनेक्शन और नियामकीय नियमों को लेकर जो तथ्य सामने आ रहे हैं, वे न केवल चौंकाने वाले हैं बल्कि पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े करते हैं।मामले में आरोप है कि पुराने 1600 KVA बिजली लोड को ही लोड बढ़ोतरी के नाम पर नया दिखाया जा रहा है, जबकि वास्तविकता में कोई नया या अलग कनेक्शन जारी ही नहीं किया गया। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार परियोजना में स्वीकृत पुराने विद्युत लोड के विस्तार को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है, जिससे आवंटियों और संबंधित एजेंसियों के बीच असमंजस उत्पन्न हो गया है।

जानकारी के अनुसार, फेज-1 के लिए दिनांक 16.06.2014 को 1600 किलोवाट विद्युत लोड स्वीकृत किया गया था। आरोप है कि वर्तमान में इसी लोड के विस्तार को नई लोड बढ़ोतरी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि परियोजना के अंतर्गत आने वाले पांच अलग-अलग रेरा पंजीकृत प्रोजेक्ट्स के लिए अब तक अलग-अलग विद्युत कनेक्शन जारी नहीं किए गए हैं।दिनांक 02.02.2026 को एल्डेको द्वारा संबंधित प्राधिकरण को भेजे गए पत्र में वर्ष 2006-07 के परमिट के आधार पर फेज-1 के आवंटियों की सूची प्रस्तुत की गई है, जिसमें 2014 में स्वीकृत 1600 किलो वाट लोड का उल्लेख किया गया है।

वहीं, केस्को द्वारा 27.10.2025 को जारी पत्र में मल्टीपॉइंट कनेक्शन तथा लोड बढ़ोतरी के लिए 4 करोड़ रुपये से अधिक की मांग की गई है। साथ ही 10 ट्रांसफार्मर स्थापित करने की शर्त भी रखी गई है। इन दोनों तथ्यों के बीच अंतर को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि परियोजना में विद्युत उपयोग और कनेक्शन व्यवस्था को लेकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं है। कुछ पक्षों द्वारा अनधिकृत विद्युत उपयोग और जानकारी के अपूर्ण प्रकटीकरण के भी आरोप लगाए गए हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि परियोजना में विभिन्न रेरा पंजीकृत इकाइयों के लिए पृथक विद्युत कनेक्शन नहीं हैं, तो यह नियामकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण विषय हो सकता है। इससे भविष्य में आवंटियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार और बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका भी जताई जा रही है।इस प्रकरण को लेकर संबंधित विभागों से स्पष्ट स्थिति सामने आने की अपेक्षा की जा रही है। उपभोक्ताओं और स्थानीय स्तर पर इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी उठने लगी है, ताकि तथ्य स्पष्ट हो सकें और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

वही इस संबंध में केस्को एमडी सैम्युअल पॉल कार्यालय का दावा है कि मामले में लापरवाही अगर की जा रही है या की गई है तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई

बिजली कनेक्शन के तैयार किए गए प्रोजेक्ट

» **प्रोजेक्ट आईडी एल्डिगो काउंटी फेस-2 यूपीरेरा नंबर यूपीरेरापीआरजे3677 है। परमिट नंबर 01-भवन-14-15 स्वीकृत तिथि 19-11-2015**

» **प्रोजेक्ट आईडी एल्डिगो बसेरा ईडब्ल्यूएस यूपीरेरा नंबर यूपीरेरापीआरजे206209, परमिट नंबर 01-भवन-1415 तिथि 21-11-2015**

» **प्रोजेक्ट आईडी एल्डिगो एकेड यूपीरेरा नंबर यूपीरेरापीआरजे17705, कामर्शियल शॉप, केडीए परमिट 993-भवन-15-16 तिथि 8-03-2016**

» **प्रोजेक्ट आईडी एल्डिगो एवॉक ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट, यूपीरेरा नंबर यूपीरेरापीआरजे225776, केडीए परमिट नंबर हाउसिंग-02936-केडीए-बीपी-20,21-1214-01062022 तिथि 23-07-2022**

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
03
एल्डिगो में पकडी बिजली चोरी केस्को में दब गई एफआईआर!
एल्डिगो में केस्को की रतनपुर डिवीजन ने की थी करीब 4 घंटे तक जांच पड़ताल
एल्डिगो टाउनशिप में उपभोक्ताओं से 'महंगी रोशनी' की वसूली!
खास खबर
बिजली कनेक्शन के तैयार किए गए प्रोजेक्ट

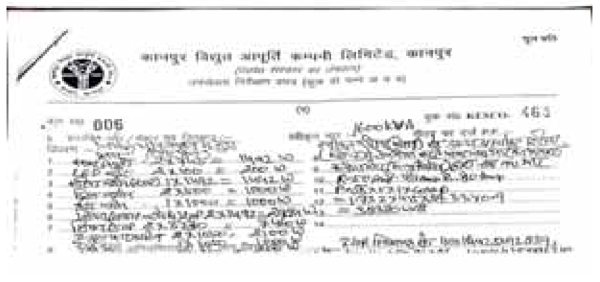

गैस संकट में कालाबाजारी पर बड़ा प्रहार

लालबंगला मंडी में अवैध रिफिलिंग का भंडाफोड़, 44 सिलेंडर बरामद

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में चल रहे गैस संकट के बीच कालाबाजारी पर शिकंजा कसते हुए आपूर्ति विभाग ने गुरुवार को जाजमऊ थाना क्षेत्र स्थित लालबंगला सब्जी मंडी में बड़ी कार्रवाई की। एडीएम आपूर्ति के नेतृत्व में पहुंची संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल के साथ 10 से अधिक दुकानों, गोदामों और मकानों पर छापेमारी कर अवैध गैस रिफिलिंग के नेटवर्क का पर्दाफाश किया। कार्रवाई के दौरान टीम ने 44 अवैध गैस सिलेंडर और रिफिलिंग में इस्तेमाल होने वाला भारी मात्रा में उपकरण बरामद किया। अधिकारियों ने मौके से जब्त सामान को कब्जे में लेकर संबंधित आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

डीएसओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग की शिकायतें मिल रही थीं। गैस संकट का फायदा उठाकर कुछ दुकानदार घरेलू सिलेंडरों को व्यावसायिक उपयोग में लगाकर मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इसी सूचना के आधार पर संयुक्त टीम गठित कर यह छापेमारी की गई। छापे के दौरान न्यू ब्लॉक स्थित कृष्णा स्वीट हाउस में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पनीर बनाते पाया गया। यहां से छह सिलेंडर बरामद हुए, जिनमें घरेलू और कॉमर्शियल दोनों शामिल थे। मौके पर गैस उपयोग से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

⇨ घरेलू गैस का धड़ल्ले से व्यावसायिक इस्तेमाल, कई दुकानदार फरार

जांच में यह भी सामने आया कि कई स्थानों पर अवैध रूप से गैस रिफिलिंग कर छोटे सिलेंडरों में गैस भरकर ऊंचे दामों पर बेची जा रही थी। इससे एक ओर आम उपभोक्ता को गैस की किल्लत का सामना करना पड़ रहा था, वहीं सुरक्षा मानकों की अनदेखी से बड़े हादसे की आशंका भी बनी हुई थी। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरी सब्जी मंडी में अफरातफरी मच गई। छापेमारी की सूचना मिलते ही कई दुकानदार दुकानें बंद कर मौके से फरार हो गए। पुलिस की मौजूदगी के कारण इलाके में देर तक हलचल बनी रही। कार्रवाई के दौरान एक बंद कमरे से बड़ी मात्रा में सिलेंडर छिपाकर रखे होने की सूचना मिली। टीम ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां से बड़ी संख्या में अवैध सिलेंडर, पाइप, रेगुलेटर और रिफिलिंग उपकरण बरामद किए गए।

कुल बरामदगी

24	घरेलू सिलेंडर
10	सिलेंडर
04	बड़े कॉमर्शियल सिलेंडर
04	पेट्रोमैक्स सिलेंडर
भारी मात्रा में रिफिलिंग उपकरण	

राहत की तैयारी: जरूरी संस्थानों को मिलेगा गैस सिलेंडर

कानपुर। गैस संकट के बीच आम लोगों को राहत देने के लिए आपूर्ति विभाग ने कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सीमित आपूर्ति की तैयारी शुरू कर दी है। करीब 20 प्रतिशत यानी लगभग 2500 सिलेंडर आवश्यक सेवाओं से जुड़े संस्थानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। डीएसओ राकेश कुमार सिंह के अनुसार, घरेलू गैस की आपूर्ति सामान्य की जा रही है और पैनिक बुकिंग में कमी आई है। वहीं कमर्शियल सिलेंडर अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, कार्डियोलॉजी संस्थानों, विश्वविद्यालय मेस और रेलवे जैसी आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर दिए जाएंगे। इन संस्थानों को लिखित मांग पत्र देने के बाद ही गैस सिलेंडर आवंटित किए जाएंगे, ताकि कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सके और जरूरतमंद स्थानों तक ही आपूर्ति सुनिश्चित हो।

बरामदगी का ब्योरा

- अर्जेंट रिपेयरिंग सेंटर: 4 घरेलू सिलेंडर, 2 पेट्रोमैक्स, रिफिलिंग उपकरण
- न्यू स्वीटी किचन सेंटर: 10 छोटे कॉमर्शियल सिलेंडर, 7 घरेलू, 2 पेट्रोमैक्स, इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन
- स्वाति किचन सेंटर: 13 घरेलू और 4 कॉमर्शियल सिलेंडर

मौसम ने बदला मिजाज: बादल, तेज हवाएं और दो दिन बारिश के आसार

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर और आसपास के क्षेत्रों में मौसम ने करवट ले ली है। सुबह से लगातार बूंदाबांदी व ठंडी हवाओं ने तापमान को काफी गिराया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 8.4 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक है।

मौसम में नमी का स्तर काफी ऊंचा बना हुआ है। अधिकतम सापेक्ष आर्द्रता 80 प्रतिशत और न्यूनतम 92 प्रतिशत दर्ज की गई, जिससे वातावरण में उमस और बादलों की मौजूदगी बनी रही। औसत पवन गति 3.2 किमी प्रति घंटा रही और हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से चलीं। दिन भर वर्षा नहीं हुई, लेकिन मौसम में बदलाव के संकेत साफ दिखाई दिए।

कृषि मौसम विज्ञान सेवा और कृषि विज्ञान विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में मौसम का यह बदला हुआ मिजाज जारी रहेगा। पूर्वानुमान के मुताबिक 20 और 21 मार्च के बीच आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे। इस दौरान तेज हवाओं के साथ स्थानीय स्तर पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि तापमान में गिरावट और नमी में बढ़ोतरी के कारण मौसम अस्थिर बना हुआ है, जिससे आने वाले दिनों में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

⇨ सुबह से बूंदाबादी व तेज हवाओं से तापमान में गिरावट

घाटमपुर में दूध टैंकर ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचला, मौके पर मौत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

घाटमपुर। रेवना थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार दूध टैंकर ने बाइक सवार तीन लोगों को कुचल दिया, जिससे तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर घाटमपुर-भोगनीपुर पीबीसी मार्ग पर जाम लगा दिया, जो करीब पांच घंटे तक जारी रहा।

पुलिस के अनुसार, शाखा जानवरा गांव के पास सुबह करीब 11 बजे यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार दूध टैंकर चालक ने ओवरलोड भूसे की ट्रॉली को बचाने का प्रयास किया, इसी दौरान वह नियंत्रण खो बैठा और सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टैंकर बाइक सवारों को करीब 20 मीटर तक घसीटता चला गया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान घाटमपुर के नौबस्ता पश्चिमी वार्ड निवासी अजय कुमार (पुत्र छोटे), बलवान (पुत्र माना) और सूरज के रूप में हुई है। बताया गया कि तीनों मोहल्ले की प्रेमा देवी (80) के अंतिम संस्कार में शामिल होने मूसानगर जा रहे थे।

हादसे की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और शवों को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। इससे शाखा जानवरा से रूपनगर तक करीब छह किलोमीटर लंबा जाम लग गया। मौके पर एसीपी कृष्णकांत यादव सहित कई थानों की पुलिस और पीएसी बल तैनात किया गया। अधिकारियों के काफी समझाने-बुझाने के बाद परिजन माने, जिसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और यातायात बहाल कराया गया। हादसे के बाद मृतकों के घरों में चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पुलिस ने टैंकर चालक को हिरासत में ले लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता और मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

⇨ अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे तीनों, आक्रोशित परिजनों ने लगाया छह किमी लंबा जाम

अदा की गई अलविदा जुमे की नमाज़

शनिवार को मनाया जाएगा ईद उल फितर का पर्व

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

रसूलाबाद कानपुर देहात। मुक़द्दस माह ए रमजान के 30 वें रोजे को शुक्रवार का दिन पढ़ने के चलते अलविदा जुमे की नमाज अदा कराई गई हालांकि पिछले जुमे को भी अलविदा जुमे की नमाज अदा कराई गई। गुरुवार को चांद न दिखाने के कारण ईद अब शनिवार को होगी इसलिए जामा मस्जिदों में अलविदा जुमे की नमाज अदा कराई गई। बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय को लोग नमाज अदा करने के लिए जामा मस्जिदों में पहुंचे।

पवित्र रमजान का महीना चल रहा है 30 दिन के इस महीने में 30 वें रोजे को आखिरी जुमा पड़ा तो बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विभिन्न जामा मस्जिदों में जाकर अलविदा जुमे की नमाज अदा की। रसूलाबाद कस्बे की प्राचीन जामा मस्जिद में पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान बकाई ने अलविदा जुमे की नमाज अदा कराई। जबकि पठान मोहाल में मौलाना नायाब खान अजहरी ने अलविदा जुमे की नमाज अदा कराई। मौलाना नायाब खान अजहरी ने बताया कि शनिवार को सुबह 9 ईद की नमाज ईदगाह रसूलाबाद में अदा कराई जाएगी। यह त्यौहार खुशियों का है और इस खुशी के मौके में अपने या पराए हो किसी भी मजहब के मानने वाले हों कोशिश यह करें कि आप मोहब्बत से पेश आएं। दूसरों को मुबारकबाद दें। जो भी गिले शिकवे बुराइयां हों उन सबको भुलाकर आपस में मोहब्बत और इत्तिहाद का पैगाम देते रहें और मोहब्बतें बढ़ाते रहें। वही अलविदा जुमे के मौके पर रसूलाबाद क्षेत्र के ग्रामीण अंचल की जामा मस्जिदों में भी नमाज अदा कराई गई। सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध देखने को मिले।

कानपुर में धूमधाम से निकली 'भारतीय नव वर्ष गीता संदेश यात्रा'

यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के पावन अवसर पर श्रीमद्भगवद्गीता वैदिक न्यास, कानपुर दक्षिण के तत्वावधान में भारतीय नव वर्ष गीता संदेश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ दीप तिराहे से हुआ, जो नंदलाल चौराहा, चावला मार्केट, फजलगंज, लाजपत नगर होते हुए पांडु नगर स्थित राधा-कृष्ण (जे.के.) मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई।यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। पूरे मार्ग में धार्मिक उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

न्यास के अध्यक्ष भूपेश अवस्थी ने बताया कि भारतीय कालगणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा ही नववर्ष का प्रारंभ है, जो प्रकृति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य जन-जन को श्रीमद्भगवद्गीता के विचारों से जोड़ना और लोगों को नियमित गीता स्वाध्याय के लिए प्रेरित करना है।

महासचिव राजेन्द्र अवस्थी ने जानकारी दी कि न्यास के प्रयासों से नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भी गीता संदेश यात्राएं निकाली जा रही हैं, जिनमें विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की सहभागिता विशेष आकर्षण रही। इस अवसर पर शहर के मंदिरों एवं सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थानों को भगवा ध्वजों से सजाया गया।

यात्रा के समापन पर राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें भक्ति गीत, नृत्य और धार्मिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर अखिलेश शुक्ला, सुरेंद्र गेरा, राधा कृष्ण त्रिपाठी, पी.के. त्रिपाठी, अनिल त्रिपाठी, श्याम सुंदर नैतिक, श्याम बिहारी शर्मा, बी.के. तिवारी, अशोक शास्त्री, शरद मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोह में रंगा कानपुर फोटोग्राफिक एसोसिएशन

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। कानपुर फोटोग्राफिक एसोसिएशन द्वारा होली के पावन अवसर पर एक भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें एसोसिएशन के सदस्यों ने उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। रंग-गुलाल और आपसी भाईचारे के माहौल में आयोजित इस समारोह में सभी ने मिलकर होली के पर्व की खुशियां साझा कीं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पालीवाल डायग्नोस्टिक सेंटर के डॉक्टर उमेश पालीवाल उपस्थित रहे। उनका स्वागत एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य श्री विष्णु नारायण दीक्षित एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा गर्मजोशी के साथ किया गया।

अपने संबोधन में डॉ. उमेश पालीवाल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा भी फैलाते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी संस्था द्वारा भविष्य में और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही उन्होंने सभी फोटोग्राफर साथियों से अपील की कि वे अपने व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाएं।समारोह में मुख्य रूप से श्री विष्णु नारायण दीक्षित, संदीप निगम, आलोक त्रिपाठी, संतोष सैनी, संजीव सिन्हा, महेंद्र, गणेश, वीरेंद्र, रामप्रताप, धीरज कश्यप, निशांत सहित एसोसिएशन के सभी सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द, एकता और उत्साह के संदेश के साथ हुआ, जिसने सभी के दिलों में एक नई ऊर्जा का संचार किया।

नर्वल में कई हॉस्पिटल पर छापा, बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा अस्पताल सील

» **हॉस्पिटल में मरीजों का इलाज किया जा रहा था एसडीएम की छापेमारी से हड़कंप**

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर नर्वल तहसील क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया।

इस दौरान बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा एक हॉस्पिटल सील कर दिया गया जबकि दूसरे हॉस्पिटल में अनियमितताएं मिलने के बाद नोटिस जारी किया गया है।

गुरुवार को एसडीएम नर्वल विवेक कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज सीएचसी सरसौल अविनाश यादव एवं थाना महाराजपुर पुलिस बल के साथ संयुक्त टीम ने निरीक्षण कर एक अस्पताल को सील कर दिया, जबकि दूसरे के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

टीम ने नरवल मोड़ के पास स्थित श्रेयांश अस्पताल का निरीक्षण किया,

जहां बिना पंजीकरण के मरीजों को भर्ती कर इलाज किए जाने का मामला सामने आया। मौके पर न तो कोई पंजीकरण अभिलेख मिले और न ही डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध था। गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर अस्पताल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया तथा मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज को संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

इसके बाद टीम ने महाराजपुर-हाथीपुर हाईवे पर ओवरब्रिज के निकट संचालित आरएस अस्पताल की जांच की। यहां ऑक्सीजन सिलेंडर, ड्रिप एवं 7-8 स्ट्रेचर बेड सहित अस्पताल संचालित होने के पर्याप्त साक्ष्य मिले, हालांकि मौके पर कोई मरीज, डॉक्टर या पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित नहीं था।

केवल एक केयरटेकर मिला, जो कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी करने, अस्पताल का बोर्ड हटवाने तथा यदि अस्पताल का संचालन नहीं किया जा रहा है तो सभी चिकित्सा संबंधी उपकरण तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया नियमन की जटिलताएं

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं।

जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकर्ताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त,यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर? वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है।निस्संदेह दुनिया में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ-साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता का विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति से असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना तकनीकी प्रगति की छलांग लगाती गति के दुष्परिणामों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित स्पर्धा के दौर में नैतिक दुविधा स्पष्ट है। साथ ही इसका कोई कारगर समाधान शीघ्र नजर भी नहीं आता। इस संकट से विकासशील देश ही नहीं, विकसित देश भी गहरे तक जूझ रहे हैं। आस्ट्रेलिया व फ्रांस आदि देशों में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की न्यूनतम उम्र निर्धारित की गई है।

चैत्र नवरात्र: आस्था-आधुनिकता से नई ऊर्जा

निरंजन चंद्र वर्मा

वर्तमान तेज रफ्तार और डिजिटल जीवनशैली से घिरे युवाओं के लिए चैत्र नवरात्रि पर्व प्रकृति की नवचेतना और नई ऊर्जा का स्रोत बन जाता है। नौ दिनों का यह पर्व पूजा-पाठ या व्रत-उपवास के लिए ही नहीं बल्कि मानसिक संतुलन, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति का अवसर है। ये जीवन के चार महत्वपूर्ण आयामों- धर्म, संस्कृति, स्वास्थ्य और आधुनिक जीवनशैली का संतुलित संदेश लेकर आते हैं।

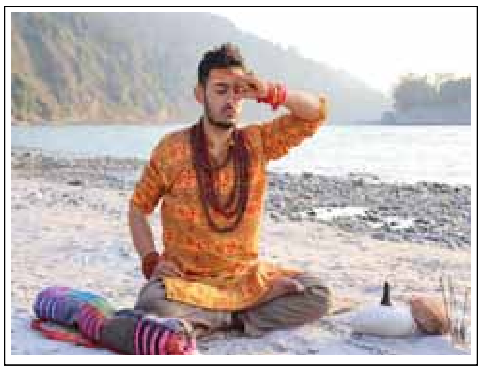

चैत्र नवरात्रि एक पर्व भर नहीं बल्कि आत्मशुद्धि, अनुशासन, नई ऊर्जा, आस्था, आध्यात्मिकता, आधुनिकता व संतुलित जीवनशैली का समग्र पैकेज हैं। यह ऐसे समय पर आते हैं, जब वसंत ऋतु के आगमन के साथ प्रकृति नई अंगड़ाइयां ले रही होती है। ऐसे में आज की तेज रफ्तार और डिजिटल जीवनशैली से घिरे युवाओं के लिए यह पर्व प्रकृति की नवचेतना और युवा जीवन की नई ऊर्जा का स्रोत बन जाता है। यह पर्व पूजा-पाठ या व्रत-उपवास के लिए ही नहीं बल्कि उनके मानसिक संतुलन, शारीरिक स्वास्थ्य और सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति का सबसे बड़ा आधार है। ये नवरात्रि युवाओं के जीवन के चार महत्वपूर्ण आयामों- धर्म, संस्कृति, स्वास्थ्य और आधुनिक जीवनशैली का संतुलित संदेश लेकर आते हैं।

चैत्र नवरात्रि का मूल आधार शक्ति की उपासना है। इस महापर्व पर मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। इस प्रतीक के जरिये इंसान अपने अंदर की छिपी नौ विशेष शक्तियों को जागृत करता है। क्योंकि आज का युवा आध्यात्मिकता को केवल पारंपरिक पूजा तक सीमित नहीं रखता, वह इसे मेडिटेशन, योगा, माइंडफुलनेस और मानसिक संतुलन के रूप में भी अपनाता है। ये नौ दिन इस दृष्टि से आत्मनिरीक्षण का समय बन सकते हैं। बहुत से युवा हाल के कुछ सालों में इन दिनों सोशल मीडिया से दूरी बना लेते हैं और डिजिटल डिटॉक्स कर पाने में सफल रहते हैं। यह भी एक किस्म का ध्यान और योग के अभ्यास जैसा ही है। इससे मानसिक तनाव कम होता है और जीवन में बेहतर समझ व स्पष्टता बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि नियमित ध्यान और प्रार्थना से सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बढ़ता है। इस प्रकार नवरात्रि युवाओं के लिए एक तरह से स्प्रिचुअल रिचार्ज का समय है।चैत्र नवरात्रि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग सांस्कृतिक रूपों में मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह रामनवमी तक चलते हैं। महाराष्ट्र में इसी समय गुड़ी पाड़वा मनाया जाता है। पूर्वी भारत में शक्ति पूजा की विशेष परंपरा है। जबकि दक्षिण भारत में यह उगादी के रूप में पारंपरिक कृषि पर्व तथा उत्तर पश्चिमी भारत में यह चेतीचंद और नवरेह के रूप में मनाया जाता है, जो कि अलग-अलग संस्कृतियों का आपस में सम्मिलन का आधार होता है। वास्तव में यह देश के हर क्षेत्र से युवाओं के लिए अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर होता है। इन दिनों कॉलेज और सामाजिक समूहों में दुर्गा स्तुति, भजन संध्या और अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भरमार रहती है। लोकसंगीत और लोकनृत्य भी इस दौरान आयोजित होते हैं। इन सभी आयोजनों के माध्यम से युवा अपनी निजी परंपरा व देश की बहुसांस्कृतिक विरासत से भी मजबूती से जुड़ते हैं।चैत्र नवरात्रि के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक इसका स्वास्थ्य से जुड़ा होना है। जो उपवास रखा जाता है, उसका धर्म से ज्यादा हमारे स्वास्थ्य से रिश्ता होता है। दरअसल वसंत ऋतु में जब ये नवरात्रि आते हैं, तब मौसम बदलता है और शरीर को नई परिस्थितियों के अनुसार ढालने के लिए हल्के सात्विक और संतुलित भोजन की दरकरार रहती है।

भट्ठों की आग और बुझता बचपन: कानून, व्यवस्था और हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

बाल मजदूरी

ईंट भट्ठों से उठता धुआँ सिर्फ निर्माण की कहानी नहीं कहता, वह एक कड़वी सच्चाई भी सामने लाता है हमारे समाज का वह चेहरा, जहाँ विकास की इमारतें खड़ी करने की कीमत बचपन चुका रहा है। जिन नन्हे हाथों में कॉपी, किताब और पेंसिल होनी चाहिए, वे हाथ ईंट ढोते, मिट्टी गूंथते और भट्ठों की तपिश में दिन गुजारते दिख रहे हैं। यह दृश्य केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि नीतिगत और प्रशासनिक विफलता का भी संकेत है।

पुरुषोत्तम द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार

ईंट भट्ठों से उठता धुआँ सिर्फ निर्माण की कहानी नहीं कहता, वह एक कड़वी सच्चाई भी सामने लाता है हमारे समाज का वह चेहरा, जहाँ विकास की इमारतें खड़ी करने की कीमत बचपन चुका रहा है। जिन नन्हे हाथों में कॉपी, किताब और पेंसिल होनी चाहिए, वे हाथ ईंट ढोते, मिट्टी गूंथते और भट्ठों की तपिश में दिन गुजारते दिख रहे हैं। यह दृश्य केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि नीतिगत और प्रशासनिक विफलता का भी संकेत है।बाल श्रम निषेध के लिए देश में स्पष्ट कानून, नियम और दंड प्रावधान मौजूद हैं। समय-समय पर अभियान भी चलते हैं, छापेमारी होती है और आंकड़े जारी होते हैं। लेकिन जमीनी सच्चाई यह बताती है कि असंगठित क्षेत्रों जैसे ईंट भट्ठे, निर्माण स्थल, ढाबे और छोटे कारखाने अब भी बच्चों के श्रम पर निर्भर हैं। यह निर्भरता खुली भी है और छिपी भी। कई स्थानों पर बच्चों को मददगार या परिवार के साथ काम करने वाला बताकर कानून की मंशा को दरकिनार कर दिया जाता है।इस समस्या की जड़ में केवल लालच नहीं, गरीबी और मजबूरी भी है।

प्रवासी और दिहाड़ी श्रमिक परिवार जब भट्ठों या निर्माण स्थलों पर काम करने पहुँचते हैं, तो उनके साथ बच्चे भी आते हैं। शिक्षा की निरंतरता टूट जाती है, स्कूल छूट जाता है और धीरे-धीरे मजदूरी ही दिनचर्या बन जाती है। ठेकेदारी व्यवस्था और लक्ष्य आधारित भुगतान प्रणाली इस प्रवृत्ति को और बढ़ाती है, जहाँ परिवार जितना अधिक उत्पादन करेगा, उतनी अधिक कमाई होगी और इसी गणित में बचपन खप जाता है।यहाँ सवाल सिर्फ परिवारों का नहीं, व्यवस्था का भी है। क्या स्थानीय प्रशासन, श्रम निरीक्षण तंत्र और बाल संरक्षण इकाइयाँ नियमित और प्रभावी निगरानी कर पा रही हैं? क्या स्कूलों के पास ऐसे बच्चों की सूची और ट्रैकिंग की व्यवस्था है जो पढ़ाई छोड़कर काम में लग गए? क्या पुनर्वास योजनाएँ कागज़ से निकलकर जमीन तक पहुँच रही हैं? जब तक इन प्रश्नों के ठोस और पारदर्शी उत्तर नहीं मिलते,

तब तक कानून की सख्ती केवल औपचारिक ही मानी जाएगी।समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए। पहली जरूरत है सक्रिय और निरंतर निरीक्षण की, न कि केवल अभियान आधारित कार्रवाई की। दूसरी—ऐसे श्रमिक परिवारों के लिए वैकल्पिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा की, ताकि वे बच्चों को काम पर लगाने के लिए मजबूर न हों। तीसरी—शिक्षा से दोबारा जोड़ने की ठोस व्यवस्था, विशेष ब्रिज कोर्स और स्थानीय स्तर पर नामांकन अभियान। चौथी नियोक्ताओं और ठेकेदारों की जवाबदेही तय करने की, जिसमें दंड वास्तव में निवारक साबित हो।समाज की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अक्सर हम ऐसे दृश्य देखकर आगे बढ़ जाते हैं, यह मानकर कि यह ꠱गरीबी की मजबूरी꠱ है। लेकिन सामान्यीकरण ही सबसे बड़ा खतरा है।

जब अन्याय सामान्य लगने लगे, तो सुधार की इच्छा खत्म हो जाती है। नागरिक जागरूकता, स्थानीय शिकायत तंत्र और सामाजिक संगठनों की भागीदारी इस कड़ी को मजबूत कर सकती है।विकास केवल सड़कों, इमारतों और उत्पादन के आँकड़ों से नहीं मापा जाता। विकास का असली पैमाना यह है कि हमारे बच्चे कितने सुरक्षित, शिक्षित और स्वतंत्र हैं। भट्ठों की आग अगर रोटी दे रही है तो ठीक, लेकिन अगर वही आग बचपन जला रही है, तो यह चेतावनी है। इस चेतावनी को सुनना और उस पर कार्रवाई करना सरकार, प्रशासन और समाज तीनों की साझा जिम्मेदारी है।

मंगल ध्वनि में बंधे रिश्ते: एक मंच पर 90 जोड़ों ने थामा जीवनसाथी का हाथ

वैदिक मंत्रों और निकाह की सदाओं के बीच गूंजी शहनाई, सामाजिक समरसता का अनुपम दृश्य

- उत्तर प्रदेश में अब तक हजारों सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किए जा चुके हैं
- मुख्यमंत्री सामूहिक योजना की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई
- अब तक 2 लाख से अधिक जोड़े इस योजना के तहत विवाह बंधन में बंध चुके हैं
- प्रत्येक जोड़े को आर्थिक सहायता व उपहार प्रदान किए जाते हैं
- योजना का उद्देश्य: गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। गुरुवार का दिन बिल्हौर ब्लॉक परिसर में सौभाग्य और शुभता की अलौकिक आभा लेकर आया, जब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 90 जोड़े एक ही मंच पर परिणय सूत्र में बंध गए। वैदिक मंत्रोच्चार और निकाह की पाक रस्मों के बीच गूंजती शहनाइयों ने पूरे वातावरण को मंगलमय बना दिया।

सुबह से ही आयोजन स्थल पर उत्सव जैसा दृश्य रहा। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे वर-वधू, उनके परिजन और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। बिल्हौर, ककवन और नगर पालिका क्षेत्र से आए जोड़ों ने इस आयोजन में भाग लेकर नई जिंदगी की शुरुआत की। बिल्हौर ब्लॉक से पंजीकृत 62 में से 58 जोड़े समारोह में शामिल हुए, जिनमें 55 हिंदू और 3 मुस्लिम जोड़े रहे। ककवन से 32 में से 28 जोड़े पहुंचे, जिनमें 27 हिंदू और 1 मुस्लिम जोड़ा शामिल था। वहीं नगर पालिका क्षेत्र से 4 जोड़ों ने भाग लिया।

एक ही मंच पर सभी 90 जोड़ों ने जयमाल की रस्म निभाई। इसके बाद हिंदू जोड़ों ने वैदिक मंत्रों के बीच सात फेरे लिए, जबकि मुस्लिम जोड़ों का निकाह मौलवियों की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। यह दृश्य न केवल वैवाहिक बंधन का, बल्कि सामाजिक सौहार्द और एकता का भी प्रतीक बन गया।

कार्यक्रम में विधायक राहुल बच्चा सोनकर, एसडीएम डॉ. संजीव कुमार दीक्षित, ब्लॉक प्रमुख मनोरमा कठेरिया और बीडीओ नेमचंद सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए इस योजना को गरीब परिवारों के लिए संबल और सामाजिक समरसता का माध्यम बताया।

यह आयोजन एक बार फिर यह संदेश दे गया कि जब समाज एक मंच पर आता है, तो परंपरा और आधुनिकता मिलकर एक नई शुरुआत की सुंदर कहानी लिखते हैं।

उपहारों के संग नई जिंदगी की सौगात

विवाह उपरांत नवदंपतियों को शासन की ओर से घरेलू उपयोग की सामग्री, वस्त्र और आभूषण भेंट किए गए। इन उपहारों ने नवविवाहित जोड़ों को नई गृहस्थी की शुरुआत में सहारा प्रदान किया। पूरे परिसर में उल्लास और संतोष का वातावरण बना रहा।

लंच पैकेट ने बिगाड़ी मिठास

जहां एक ओर समारोह ने खुशियों के रंग बिखेरे, वहीं लंच पैकेट की गुणवत्ता ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। कई जनातियों और बरातियों ने भोजन चखते ही उसे किनारे रख दिया। लोगों का कहना था कि गर्मी के कारण भोजन खराब हो गया था और उसमें से दुर्गंध आ रही थी। इस अव्यवस्था ने आयोजन की चमक को कुछ हद तक फीका कर दिया।

सड़क चौड़ीकरण में जमीन जाने पर भड़के किसान

मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन करते किसान

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। गदनपुर आहार गांव में सड़क चौड़ीकरण को लेकर किसानों का गुस्सा सामने आया। राजेपुर-गदनपुर आहार संपर्क मार्ग के विस्तार में जमीन जाने से नाराज किसानों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

ग्रामीणों का कहना है कि उनकी भूमि सड़क में शामिल की जा रही है, लेकिन अब तक उचित मुआवजा नहीं मिला। इसी मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ किसानों ने विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना सहमति और भुगतान के जबरन जमीन ली जा रही है।

सूचना पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। राजस्व निरीक्षक और लेखपाल ने किसानों को समझाते हुए जल्द पैमाइश कराकर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में सपा की रचना सिंह गौतम और उनके पति पंकज यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने किसानों के समर्थन में आवाज उठाते हुए मुआवजा दिलाने की मांग की और आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। बताया गया कि जीटी रोड से गदनपुर आहार तक करीब 3.3 किमी सड़क चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है, जिसके लिए शासन से करोड़ों रुपये का बजट स्वीकृत है। इसके बावजूद मुआवजे को लेकर असंतोष बना हुआ है। सपा नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो 23 मार्च से तहसील परिसर में आंदोलन तेज किया जाएगा।

मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर की नारेबाजी

अन्ना पशुओं का आतंक: राहगीर पर हमला, वीडियो वायरल

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कस्बे में आवारा अन्ना मवेशियों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि अब लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है। नगर पालिका की लापरवाही का खामियाजा आम जनता भुगत रही है।शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में नगर पालिका की अस्थायी गौशाला के पास एक राहगीर पर अन्ना ने अचानक हमला कर दिया। युवक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही अन्ना ने उसे दौड़ा लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह अन्ना को खदेड़ा, तब जाकर युवक की जान बच सकी।बताया जा रहा है कि युवक सिंह वाहिनी मंदिर दर्शन के लिए जा रहा था। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका की अनदेखी के चलते आवारा मवेशियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही।

अल्पसंख्यक सभा प्रदेश अध्यक्ष ने दरगाह पर चादर चढ़ाई

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर/कानपुर। समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद नदवी ने दरगाह जिंदा शाह मदार पर पहुंचकर हाजिरी दी और चादर चढ़ाकर अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव सय्यद शादान शिकोह जाफरी ने उनका स्वागत करते हुए पगड़ी बांधी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवजन सभा नाजिम, प्रदेश सचिव वासिफ हुसैन, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा सय्यद शाजिर अली, अब्दुल्ला पठान समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। दरगाह परिसर में भाईचारे और एकता का संदेश भी दिया गया।

दरगाह परिसर मे शकील नदवी के साथ अन्य सपाई

रिश्वत लेती वीडियो वायरल, महिला दरोगा व चालक हुआ निलंबित

25 हजार रुपये मांगने का आरोप, एसपी ने लिया संज्ञान, सीओ को सौंपी गई जांच

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। कोतवाली कायमगंज में तैनात महिला उपनिरीक्षक सुधा पाल और आरक्षी चालक को रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने पहले दोनों को लाइन हाजिर किया, इसके बाद जांच के आधार पर तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई की गई।अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कोतवाली कायमगंज की उपनिरीक्षक सुधा पाल और चालक कथित रूप से रुपये का लेनदेन करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसपी ने त्वरित कार्रवाई की। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

मामले की जांच क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद को सौंपी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रानीपुर निवासी भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि उपनिरीक्षक ने एक मुकदमे की विवेचना के दौरान 25 हजार रुपये की मांग की थी, जिसमें से 7 हजार रुपये दिए जा चुके थे। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया कि उसके परिवार की नाबालिग लड़की को गांव के ही अर्जुन पुत्र भूरे सिंह तथा उसके साथियों सुरजीत, अनिल कुमार और लालजी द्वारा बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है। इस संबंध में संबंधित थाने में अभियुक्तों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की जा चुकी है।

आरोप है कि अभियुक्त खुलेआम घूमते हुए परिवार को धमकी दे रहे हैं और उपनिरीक्षक को अपने पक्ष में होने का दावा कर रहे हैं। इससे पीड़ित परिवार में भय का माहौल है। परिवार ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए विवेचना किसी अन्य अधिकारी को स्थानांतरित किए जाने की मांग की है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वृंदावन में राष्ट्रपति का आध्यात्मिक संगम, प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद

द्रौपदी मुर्मु ने 'श्रीहित राधा केलि कुंज आश्रम' में की एकांत भेंट, अध्यात्म और जनकल्याण पर चर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मथुरा। ब्रज प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वृंदावन पहुंचकर प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच राष्ट्रपति 'श्रीहित राधा केलि कुंज आश्रम' पहुंचीं, जहां उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

आश्रम में राष्ट्रपति और प्रेमानंद महाराज के बीच एकांत वार्ता हुई, जिसमें अध्यात्म, निस्वार्थ सेवा और जनकल्याण जैसे विषयों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति ने महाराज के सादगीपूर्ण जीवन और उनके आध्यात्मिक विचारों के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान आश्रम का वातावरण पूरी तरह शांत और भक्तिमय बना रहा।इससे पहले राष्ट्रपति ने गुरुवार को इस्कॉन मंदिर वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम के दर्शन किए। भारी बारिश के बावजूद उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इस दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी उनके साथ मौजूद रहीं। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, संकीर्तन और बालिकाओं के नृत्य ने माहौल को भक्ति से सराबोर कर दिया।इसके बाद राष्ट्रपति प्रेम मंदिर वृंदावन पहुंचीं, जहां उन्होंने राधा-कृष्ण के युगल विग्रह के दर्शन किए और भव्य लेजर शो का आनंद लिया। मंदिर प्रशासन ने उन्हें आध्यात्मिक ग्रंथ और स्मृति चिन्ह भेंट किए।राष्ट्रपति का यह दौरा पूरी तरह अध्यात्म और शांति के संदेश से परिपूर्ण रहा। खराब मौसम के बावजूद उनकी अटूट श्रद्धा ने ब्रजवासियों और देशभर के श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया।

खाद्य विभाग की ताबड़तोड़ छापेमारी से मचा हड़कंप, 13 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

होटल, रेस्टोरेंट व मिष्ठान भंडारों में कमर्शियल की जगह घरेलू गैस का इस्तेमाल पकड़ा गया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। शहर में होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई की दुकानों पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा की गई ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप मच गया। जिला पूर्ति अधिकारी सुरेंद्र यादव के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान में कमर्शियल गैस सिलेंडरों के स्थान पर घरेलू सिलेंडरों का उपयोग पाए जाने पर कुल 13 सिलेंडर जब्त किए गए।

अभियान में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी अनिल कुमार यादव, पूर्ति निरीक्षक नेहा गुप्ता, अमित चौधरी तथा मुख्यालय के वरिष्ठ सहायक राजीव कुमार की टीम शामिल रही।

टीम ने आईटीआई चौराहा स्थित ग्रांड सेवर रेस्टोरेंट, होटल अयोध्या, मोती महल रेस्टोरेंट, न्यू नीलम रेस्टोरेंट, आनंद रेस्टोरेंट, सीमा बेकरी, ओम साई बेकरी, गृहस्थी रसोई सेंटर, बन्नू मिष्ठान भंडार, पूविका रेस्टोरेंट एवं कैफे, मधुर मिलन रेस्टोरेंट, अनोखे लाल मिष्ठान भंडार सहित कई प्रतिष्ठानों के किचन और गोदामों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान रेलवे रोड स्थित ओम साईराम बेकरी के संबंध में संचालकों ने कार्य बंद होने की जानकारी दी, जबकि मोहन पैलेस गली में स्थित कारखाने को खुलवाकर जांच की गई, जहां दो घरेलू सिलेंडर पाए गए जिन्हें जब्त कर लिया गया। रॉयल अक्षय होटल संचालकों ने रेस्टोरेंट बंद होने की बात कही।

नेहरू रोड स्थित बन्नू मिष्ठान भंडार में कुल 42 गैस सिलेंडर पाए गए, जिनमें से 10 सिलेंडरों का उपयोग किया जा रहा था। संबंधित स्वामी को गैस सिलेंडरों के वैध कागजात कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। वहीं, बढ़पुर क्षेत्र स्थित अनोखे लाल मिष्ठान भंडार में घरेलू सिलेंडरों से खाद्य सामग्री तैयार करते हुए पाया गया।

कार्रवाई के दौरान कई दुकानदारों ने शिकायत की कि उन्हें जितेंद्र गैस सर्विस से कमर्शियल सिलेंडर समय पर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। इस पर जिला पूर्ति अधिकारी सुरेंद्र यादव ने स्पष्ट किया कि एजेंसी पर अब कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति शुरू हो चुकी है और शासन के निर्देशानुसार 30 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता अनुसार मांग करने पर कमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराए

शनिवार को होगी ईद-उल-फितर की नमाज, प्रशासन हुआ अलर्ट

पुलिस की सोशल मीडिया पर भी रहेगी कड़ी नजर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। कस्बे की प्राचीन ईदगाह में शनिवार सुबह 9 बजे ईद-उल-फितर की नमाज अदा की जाएगी। इसके साथ ही रमजान के 30 रोजों का सिलसिला पूरा हो जाएगा और देशभर में ईद का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। ईद और चैत्र नवरात्रि एक साथ पड़ने के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें दोनों समुदायों के गणमान्य लोग शामिल हुए।बैठक में क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नमाज के दौरान किसी भी प्रकार से मार्ग बाधित न हो और सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी धर्म के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करना अक्षम्य अपराध माना जाएगा और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश दिए गए हैं। बैठक में अपराध निरीक्षक धीरेंद्र सिंह, कस्बा प्रभारी प्रमोद दीक्षित, गिरिजाशंकर मिश्रा, डॉ. इसरार सिद्दीकी, पूर्व प्रधान पिंटू सिंह और आरिफ सहित अन्य संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि सभी लोग मिलजुल कर त्योहार मनाएं और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

रोज़ा इफ़्तार में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

रोज़ा खोलकर देश की खुशहाली, तरक्की और अमन-चैन के लिए दुआएं मांगीं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रमज़ान के मुकद्दस महीने में रसूलाबाद कस्बे में आयोजित हाजी फैजान खान के पैग़ाम-ए-मोहब्बत रोज़ा इफ्तार ने एक बार फिर आपसी भाईचारे, सौहार्द और गंगा-जमुनी संस्कृति की शानदार मिसाल पेश की। हजरत गुलपीर शाह र.अ. के मैदान में आयोजित इस भव्य इफ्तार में सैकड़ों-हजारों लोगों ने एक साथ बैठकर रोज़ा खोला और मोहब्बत का संदेश दिया।समाजवादी पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मो. शकील खान ने कहा कि रमज़ान का महीना हमें इंसानियत, भाईचारे और गरीबों की मदद का पैगाम देता है। वहीं आर्य नगर कानपुर के विधायक अमिताभ बाजपेयी ने कहा कि समाज में प्रेम, सद्भाव और एकजुटता ही समाजवादी विचारधारा की असली पहचान है। कैंट विधायक हसन रूमी ने ऐसे आयोजनों को सामाजिक एकता का अद्भुत उदाहरण बताया, जबकि कांग्रेस जिलाध्यक्ष अम्बरीष सिंह गौर ने इसे आपसी विश्वास और भाईचारे को मजबूत करने वाला आयोजन बताया।

इफ्तार में हर वर्ग और धर्म के लोग एक साथ नजर आए। सभी ने खजूर से रोज़ा खोलकर देश की खुशहाली, तरक्की और अमन-चैन के लिए दुआएं मांगीं।

पूरा माहौल आपसी प्रेम और सौहार्द से सराबोर रहा। इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया, पूर्व एमएलसी दिलीप सिंह कल्लू यादव सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजक हाजी फैजान खान ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं।

इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया, पूर्व सदस्य विधान परिषद दिलीप सिंह कल्लू यादव, नीरज सिंह गौर,जिलाध्यक्ष अरुण यादव बबलू राजा, निहारिका सिंह,पवन कटियार, तहसीन सिद्दीकी, गुलिस्तान खान, सुरेश यादव ,शेखू खान, यादवेंद्र प्रताप दीपू , आलोक रत्न यादव, राजू सिंह गौर, पारूल तिवारी, काशिफ खान,कन्हैया निषाद,धीरज यादव, गोपाल गुप्ता, प्रदीप यादव, सलोने पाठक, आनंद बाबू द्विवेदी, भोले कुरैशी,संतोष त्रिपाठी,ओमप्रकाश पाल बंटे, डॉ नरेंद्र सिंह, फेमस टेलर,शरीफ कुरैशी, टुन्नी मिस्त्री, सफीक खान, इमरान नियाज़ी, सारिक खान,शानू पठान, तौहीद खान, एहतिशाम खान भोलू आदि रहे। फैजान खान ने खुशगवार माहौल में रोजा इफ्तार में आए हुए लोगों शुक्रिया अदा किया।

कानपुर देहात : भारतीय नव संवत्सर पर रसूलाबाद में उमड़ा आस्था का सैलाब

जय श्री राम और भारत माता की जय के नारों से गूंजा पूरा कस्बा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। हिन्दू नव वर्ष विक्रम संवत 2083 के अवसर पर रसूलाबाद कस्बे में भव्य और विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। भारतीय संस्कृति, परंपरा और सनातन संस्कारों की झलक लिए यह शोभायात्रा पूरे नगर में आकर्षण का केंद्र बनी रही। शोभायात्रा की शुरुआत ऋषि आश्रम से हुई, जो नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः आश्रम परिसर में समाप्त हुई। यात्रा के दौरान जय श्री राम, भारत माता की जय, वंदे मातरम् और विक्रम संवत की जय के गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा में शामिल युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। हाथों में केसरिया ध्वज लिए युवाओं की टोलियां नगर में घूम-घूमकर सनातन परंपरा का संदेश देती नजर आईं। इस दौरान नगरवासियों ने घरों पर केसरिया ध्वज भी लगाए गए, जिससे पूरा कस्बा भगवामय हो गया। यात्रा में भारत माता की आकर्षक झांकी ने लोगों का मन मोह लिया। विभिन्न झांकियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का सुंदर प्रदर्शन किया गया।मुख्य चौराहा पर शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी, जहां लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का संचालन भारतीय नव वर्ष सेवा समिति, रसूलाबाद के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में बृजेंद्र कुमार, राम लखन, चेयरमैन देवशरण कमल, राजीव शुक्ला (राजू), जीतू त्रिपाठी, महेंद्र यादव, प्रीतू सिंह गौर, उमेश गुप्ता (लल्ला), बउअन चौरसिया, संजय मिश्रा, अभिषेक तिवारी, अटल बाजपेई, अजय मिश्रा (मुरारीलाल), विकास बाजपेई, सोनू पांडेय, गोपाल मिश्रा, चंदन यादव, टिंकू कुशवाहा, माधुरी गुप्ता, सुमन दुबे, रामू मिश्रा, अमित पांडेय, भानु प्रताप सिंह, गोपी सेंगर, राजकुमार वाल्मीकि, गुंजन सिंह, सत्य प्रकाश कठेरिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। शोभायात्रा ने न केवल धार्मिक आस्था को प्रकट किया, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का भी संदेश दिया।

टीवी बंद करने पर पिता को मार दी थी गोली, बेटे को आजीवन कारावास

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। करीब साढ़े पांच वर्ष पूर्व सिकंदरा के नसीरपुर गांव में टीवी बंद करने को लेकर हुए विवाद में बेटे ने दोनाली लाइसेंसी बंदूक से पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में भतीजे की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था, जिसकी सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक आनंद प्रिय गौतम की कोर्ट में चल रही थी। नियत तिथि पर बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोषी पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता धनंजय पांडेय ने बताया कि नसीरपुर निवासी रिषभ कटियार ने चार नवंबर 2020 को पुलिस को तहरीर दी थी, जिसमें बताया था कि वह रात करीब नौ बजे घर में बैठकर टीवी देख रहा था, साथ में बूढ़ी दादी, मां व बाबा लालाराम कटियार भी बैठे थे। उसी दौरान बड़े पापा(ताऊ) अशोक कटियार शराब के नशे में धुत होकर कहीं से आए और बिस्तर पर लेट गए और टीवी बंद करने को कहने लगे। इस पर उसने कहा कि थोड़ी देर में टीवी बंद कर देगा, जिससे नाराज होकर बड़े पापा अशोक कटियार गाली गलौज करने लगे।

बाबा लालाराम ने गाली देने से मना किया तो अशोक ने अपनी लाइसेंसी दोनाली बंदूक से बाबा को गोली मार दी। हम सभी लोग बाबा को लेकर सिकंदरा अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना के बाद बड़े पापा घर से भाग गए। मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था, जिसकी सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायालय 14 फास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रही थी।

लखनऊ में जहर कांड: मां-बेटे की मौत, पिता जिंदगी से जूझ रहे

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

» सुसाइड नोट में लिखाः अपनी मौत के जिम्मेदार हम खुद

» आर्थिक तंगी की आशंका, मामले की जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक ही परिवार के तीन सदस्यों द्वारा जहर खा लेने की दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। इस हृदयविदारक मामले में मां और बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद तीनों को अचेत अवस्था में पाया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने जब उन्हें देखा तो उनके मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे जहर खाने की पुष्टि हुई। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई और सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मां और बेटे को मृत घोषित कर दिया, जबकि पिता की हालत नाजुक बनी हुई है। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें लिखा है कि ÷हम अपनी मौत के जिम्मेदार खुद हैं।÷ इस नोट ने मामले को और गंभीर बना दिया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आखिर परिवार ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि परिवार पर बैंक का कर्ज था और संभवतः आर्थिक संकट से जूझ रहा था। पुलिस इस एंगल को प्रमुखता से जांच रही है कि क्या इसी तनाव के चलते परिवार ने सामूहिक रूप से जहर खाया।

मौके पर जांच करती पुलिस

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है चाहे वह आर्थिक दबाव हो, पारिवारिक तनाव या कोई अन्य कारण। आसपास के लोगों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है। एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत और तीसरे की गंभीर हालत ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

निष्पक्षता, निष्ठा और ईमानदारी की मिसाल बने डीएम कपिल सिंह

जनसुनवाई से विकास कार्यों तक, कार्यशैली से जनता का जीत रहे भरोसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भारतीय प्रशासनिक सेवा में कुछ अधिकारी ऐसे होते हैं, जो केवल अपने पद से नहीं, बल्कि अपने काम, निर्णय क्षमता और जनहितकारी कार्यशैली से पहचान बनाते हैं। कानपुर देहात के जिलाधिकारी कपिल सिंह ऐसे ही अधिकारियों में शामिल हैं, जिनकी कार्यशैली ने जिले की जनता के बीच विश्वास, न्याय और पारदर्शिता की मजबूत छवि बनाई है।

वर्ष 2015 बैच के आईएएस अधिकारी कपिल सिंह अपने शांत स्वभाव, कार्यकुशलता और संवेदनशील प्रशासनिक दृष्टिकोण के लिए पहचाने जाते हैं। जनसुनवाई के दौरान वह माती स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रतिदिन तय समय पर पहुंचकर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और उनके त्वरित तथा निष्पक्ष निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हैं। यही कारण है कि जिले के लोगों में उनके प्रति भरोसा लगातार मजबूत हुआ है।

जिलाधिकारी कपिल सिंह की विशेषता यह है कि वह केवल कार्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि जनता के बीच जाकर उनकी वास्तविक समस्याओं को समझने और समाधान कराने का प्रयास करते हैं। उनके मधुर व्यवहार, सरल व्यक्तित्व और न्यायपूर्ण कार्यशैली की चर्चा जिले में व्यापक रूप से होती है।डीएम कपिल सिंह अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समय-समय पर बैठक कर लंबित मामलों को टालने के बजाय शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हैं। वह प्रशासनिक तंत्र में समन्वय, सौहार्द और जवाबदेही बनाए रखने के पक्षधर माने जाते हैं। यही वजह है कि उनके नेतृत्व में न केवल शिकायतों का समाधान तेजी से हो रहा है, बल्कि जनपद विकास के क्षेत्र में भी लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है।ईमानदार छवि, कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली और निष्पक्ष प्रशासनिक दृष्टिकोण के चलते डीएम कपिल सिंह आज कानपुर देहात में एक आदर्श अधिकारी के रूप में देखे जा रहे हैं। जिले की जनता उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली और ईमानदारी से प्रभावित होकर खुलकर सराहना कर रही है।

देहात में कई उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में एक बार फिर तबादला एक्सप्रेस चली है। पुलिस अधीक्षक द्वारा कई उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार, रसूलाबाद थाने में अपराध निरीक्षक के पद पर तैनात रहे धीरेंद्र सिंह को डेरापुर थाना का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। वहीं उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार को सर्विलांस सेल का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा महेश कुमार को एएचटी से हटाकर थाना बरौर का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। जयप्रकाश शर्मा को सर्विलांस सेल से हटाकर स्पेशल टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि अमिता वर्मा को एएचटी थाना की कमान दी गई है।

रमेश चंद्र को पुलिस लाइन से थाना रसूलाबाद, इकबाल हुसैन को पुलिस लाइन से थाना गजनेर तथा अवधेश सिंह और राजेंद्र सिंह को पुलिस लाइन से थाना रूरा भेजा गया है।

दुरुस्त हुई खराबी, चौथे दिन मिला मलासा गांव को पानी

तीन दिन से सूखे पड़े थे नल, खबर छपते ही हरकत में आया जल निगम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के मलासा गांव में पिछले तीन दिनों से ठप पड़ी पेयजल आपूर्ति आखिरकार चौथे दिन बहाल हो गई। पानी के संकट से जूझ रहे ग्रामीणों की समस्या को दैनिक स्वराज इंडिया अखबार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिसके बाद जल निगम विभाग हरकत में आ गया और आनन-फानन में खराबी दूर कर सप्लाई शुरू करा दी गई।

दरअसल तकनीकी खराबी के चलते गांव की पानी सप्लाई पिछले तीन दिनों से पूरी तरह बंद पड़ी थी।

घरों में लगे नल सूख गए थे और करीब पांच हजार की आबादी को पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा था। ग्रामीणों को हैंडपंप और अन्य स्रोतों से पानी लाना पड़ रहा था। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को दूर-दूर से पानी ढोना पड़ रहा था, जिससे गांव में भारी नाराजगी का माहौल बन गया था।इस गंभीर समस्या को दैनिक स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया

तीन दिन से सूखे पड़े हर घर जल के नल
बूंद-बूंद पानी को तरसे 5000 ग्रामीण

अखबार ने पेज अंक 9 में खबर को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया। खबर सामने आते ही जल निगम के सहायक अभियंता संजय सिंह ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया और विभागीय टीम को मौके पर भेजकर खराबी की जांच कराने तथा जल्द जलापूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए।

निर्देश मिलते ही विभागीय कर्मचारी गांव पहुंचे और समस्या की जांच कर तकनीकी खराबी को दुरुस्त किया। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद चौथे दिन जलापूर्ति दोबारा शुरू करा दी गई। गांव के नलों में पानी पहुंचते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।ग्रामीणों ने कहा कि कई दिनों से पानी की भारी किल्लत झेलनी पड़ रही थी, लेकिन स्वराज इंडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद ही विभाग सक्रिय हुआ और समस्या का समाधान हुआ। लोगों ने उनकी आवाज प्रशासन तक पहुंचाने के लिए स्वराज इंडिया अखबार का आभार भी जताया। सहायक अभियंता संजय सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही विभागीय टीम को मौके पर भेजा गया था। तकनीकी खराबी को ठीक कराकर जलापूर्ति बहाल करा दी गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी समस्या आने पर तत्काल समाधान कराया जाएगा ताकि ग्रामीणों को परेशानी न हो।

आगरा में दर्दनाक हादसा: पेड़ से टकराई बोलेरो, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

कैलादेवी दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु, देर रात जोरदार टक्कर से मचा कोहराम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। जनपद में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे परिवार को उजाड़ दिया। थाना चित्राहाट क्षेत्र में श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक नजर में...

- » नवरात्र पर दर्शन कर लौट रहा था पूरा परिवार
- » देर रात चित्राहाट क्षेत्र में हुआ हादसा
- » बोलेरो पेड़ से टकराने के बाद पूरी तरह क्षतिग्रस्त
- » ग्रामीणों ने शीशे तोड़कर किया रेस्क्यू
- » तीन घायलों का सैफई मेडिकल कॉलेज में इलाज जारी

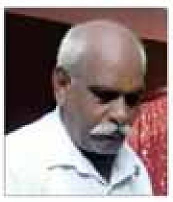
कामता प्रसाद

देवेंद्र

आराध्या

सीमा देवी

ऋषि कुमार

मृतकों के फाइल फोटो, क्षतिग्रस्त बोलेरो

जानकारी के अनुसार, इटावा जिले के इकदिल थाना क्षेत्र के नगला वर गांव निवासी परिवार चैत्र नवरात्र के पहले दिन राजस्थान स्थित कैलादेवी मंदिर में दर्शन करने गया था। देर रात करीब 11 बजे सभी लोग बोलेरो से वापस लौट रहे थे, तभी चित्राहाट क्षेत्र में वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और तेज रफ्तार में पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और वाहन की आधी छत उखड़ गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद गाड़ी के दरवाजे जाम हो गए थे, जिन्हें खोलना संभव नहीं था। इसके बाद ग्रामीणों ने शीशे तोड़कर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने के बाद घायलों को तत्काल स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान कांता प्रसाद (70), उनके बेटे देवेंद्र (35), बहू सीमा (30), पोती आराध्या (3) और नाती ऋषि (20) के रूप में हुई है, जो वाहन चला रहा था।वहीं, हादसे में घायल देवेंद्र का बेटा आदित्य, ऋषि की पत्नी रश्मि और अवनीश का प्राथमिक उपचार के बाद सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हिरासत में मौत कांड को लेकर 17 पुलिसकर्मियों पर कसा शिकंजा

- » मानवाधिकार आयोग की जांच के बाद सीआईडी चार्जशीट
- » गैर इरादतन हत्या और अवैध हिरासत के आरोप लगाए गए

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

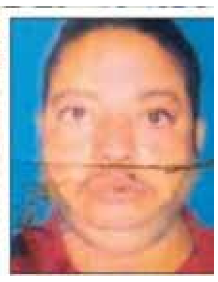

आगरा। आगरा के बहुचर्चित राजू गुप्ता हिरासत मौत मामले में अब बड़ा एक्शन तय माना जा रहा है। मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर हुई जांच के बाद सीआईडी ने अपनी विवेचना पूरी कर 17 पुलिसकर्मियों के खिलाफ चार्जशीट शासन को भेज दी है। इसमें सिकंदरा थाने में तैनात पुलिसकर्मियों पर गैर इरादतन हत्या और अवैध हिरासत जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।सीआईडी की जांच में सामने आया कि जिस समय राजू गुप्ता की पिटाई हो रही थी, उस दौरान थाने में मौजूद किसी भी पुलिसकर्मी ने विरोध नहीं किया। कोर्ट ने भी अपने फैसले में माना कि यह घटना पुलिसकर्मियों की मौन सहमति से हुई।अपर जिला जज नितिन कुमार ठाकुर ने अपने 82 पेज के आदेश में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि इस मामले में ÷रक्षक ही भक्षक बन गए÷। कोर्ट ने यह भी कहा कि एक निर्दोष व्यक्ति को उसकी मां के सामने बेरहमी से पीटा गया, लेकिन किसी ने हस्तक्षेप नहीं किया। आदेश की प्रति शासन और पुलिस कमिश्नर को भेजते हुए संबंधित अधिकारियों पर सेवा नियमों के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।जांच में यह भी उजागर हुआ कि प्रारंभिक विवेचना करने वाले अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को नजरअंदाज किया और न्याय की प्रक्रिया में बाधा डाली। कोर्ट ने इस पर भी कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि विवेचकों ने तथ्यों को दबाने का प्रयास किया।मामले ने उस वक्त पूरे शहर को झकझोर दिया था। पीड़ित की मां इंसाफ के इंतजार में ही दुनिया छोड़ गई।

घटना के बाद समाज के लोगों ने लगातार प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की थी।अब इस प्रकरण में सीआईडी की चार्जशीट के बाद 17 पुलिसकर्मियों पर कानूनी कार्रवाई की तलवार लटक गई है और शासन स्तर पर अंतिम फैसला होना बाकी है।

लखनऊ: निजी अस्पताल का खेल उजागर

मासूम को डेंगू बताकर वसूले पैसे सरकारी जांच में निकला सामान्य बुखार

»स्वराज इंडिया संवाददाता

लखनऊ। महानगर के इटौंजा क्षेत्र से स्वास्थ्य सेवाओं को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक निजी अस्पताल ने मासूम बच्चे को डेंगू पॉजिटिव बताकर तीन दिन तक इलाज किया और परिजनों से हजारों रुपये वसूल लिए। बाद में सरकारी जांच में पूरा मामला फर्जी निकला।

जानकारी के अनुसार, इटौंजा स्थित मां अस्पताल में मासूम आविश को भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रशासन ने बच्चे को डेंगू पॉजिटिव बताते हुए इलाज शुरू कर दिया। परिजनों को बताया गया कि बच्चे के प्लेटलेट्स तेजी से गिर रहे हैं, जिसके नाम पर दो यूनिट प्लेटलेट्स भी मंगवाए गए। इस दौरान इलाज के नाम पर करीब 16 हजार रुपये वसूल लिए गए।परिजनों को जब संदेह हुआ तो वे बच्चे को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्टाष्ट) पहुंचे। यहां हुई जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ–बच्चे की डेंगू रिपोर्ट पूरी तरह निगेटिव आई। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चा सिर्फ सामान्य बुखार से पीड़ित था और एक दिन के इलाज में ही पूरी तरह स्वस्थ हो गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए ष्टाष्ट अधीक्षक डॉ. जेपी सिंह ने निजी अस्पताल मां हॉस्पिटल और संबंधित ऐ लाइव डायग्नोस्टिक सेंटर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।यह घटना निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है, जहां मुनाफे के लिए मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

डांट से दिशा तक: कबीर जीत सिंह ने 'देसी फ्लेवर' से खड़ी की 520 करोड़ रुपए की कंपनी

» यूके में पार्ट-टाइम नौकरी से मिली सीख, ISRO के चंद्रयान से प्रेरणा, आज 100+ शहरों में छाया 'बर्गर सिंह'

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

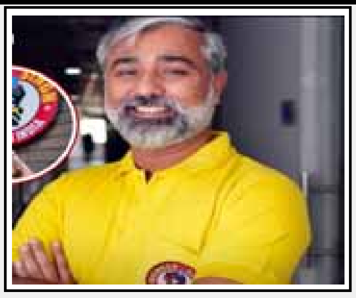

नई दिल्ली/गुरुग्राम। मिडिल क्लास परिवार से निकलकर बड़े सपने देखने वाले कबीरजीत सिंह की कहानी आज युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। पिता की डांट, विदेश में संघर्ष और देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों से मिली सीख ने उनकी सोच को ऐसा मोड़ दिया कि उन्होंने एक ऐसा बिजनेस खड़ा कर दिया, जो आज करीब 520 करोड़ के मूल्यांकन तक पहुंच चुका है।कबीर जब यूनाइटेड किंगडम में पढ़ाई कर रहे थे, तब उन्होंने खर्च चलाने के लिए पार्ट-टाइम नौकरी की। इसी दौरान फास्ट फूड इंडस्ट्री को करीब से समझने का मौका मिला। बर्गर बनाते हुए उन्हें महसूस हुआ कि इंटरनेशनल ब्रांड्स में भारतीय स्वाद की कमी है। यहीं से उनके दिमाग में 'देसी फ्लेवर' के साथ कुछ नया करने का विचार आया।

सीमित संसाधनों में बड़ी उपलब्धि हासिल करने की यह कहानी कबीर के लिए प्रेरणा बन गई कि अगर सोच सही हो, तो कम साधनों में भी बड़ा काम किया जा सकता है। दोस्तों के बीच उनके बनाए बर्गर काफी लोकप्रिय हुए और मजाक-मजाक में उन्हें 'बर्गर सिंह' कहा जाने लगा। यही नाम आगे चलकर उनकी पहचान बन गया।

साल 2014 में गुरुग्राम से करीब 40 लाख रुपए के निवेश के साथ उन्होंने बर्गर सिंह की शुरुआत की। कंपनी ने शुरुआत से ही तीन सिद्धांतों पर काम किया देसी स्वाद, किफायती कीमत और ग्राहकों को बेहतर वैल्यू देना। 'उड़ता पंजाब' और 'अमृतसरी मुर्ग मखनी' जैसे अनोखे बर्गर ने युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रियता हासिल की।

आज बर्गर सिंह देश के 100 से ज्यादा शहरों में 200 से ज्यादा आउटलेट्स के साथ तेजी से बढ़ता हुआ ब्रांड बन चुका है। कंपनी का सालाना रेवेन्यू 117 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है और हाल ही में 82 करोड़ की फंडिंग मिलने के बाद इसके विस्तार को और गति मिली है। कबीर की यह यात्रा सिर्फ एक बिजनेस सक्सेस स्टोरी नहीं, बल्कि एक मजबूत संदेश भी है कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, अगर सोच में नवाचार, लोकल समझ और जोखिम उठाने का साहस हो, तो कोई भी सपना हकीकत बन सकता है। एक समय पिता की चेतावनी थी ÷जिंदगी भर बर्गर ही बनाते रह जाओगे÷, लेकिन आज वही काम उनकी सबसे बड़ी ताकत और पहचान बन गया।

अयोध्या

भाजपा महानगर संगठन या गुटों का महासंग्राम?

हर नाम के पीछे अलग 'खेमाधीश' तैयार!

पदाधिकारी कम, पैरवीदार ज़्यादा-भाजपा महानगर में सिफारिशों की होड़!

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। महानगर संगठन में पदाधिकारियों के चयन को लेकर चल रही सरगर्मियों ने अब सियासी हलकों में हलचल तेज कर दी है। संभावित नामों की लंबी सूची सामने आने के साथ ही गुटबाजी खुलकर सामने आ रही है। तिलक राम मौर्य, शैलेंद्र कोरी, बालकृष्ण वैश्य, हरिभजन गौड़, बाबूराम यादव, परमानंद मिश्रा, राकेश मणि त्रिपाठी, रवि शर्मा, रवि सिंह, शिवम शुक्ला, दिवाकर सिंह, अंशुमान मित्रा, सार्थक तिवारी और सुरेंद्र यादव जैसे नामों पर चर्चा तेज है, लेकिन इनके चयन के पीछे चल रही लॉबिंग ने स्थिति को जटिल बना दिया है।

सूत्रों के अनुसार, तिलक राम मौर्य और शैलेंद्र कोरी को कमलेश श्रीवास्तव का करीबी माना जा रहा है, जबकि रवि शर्मा और सार्थक तिवारी को पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा के खेमे का बताया जा रहा है। खास बात यह है कि रवि शर्मा को महानगर उपाध्यक्ष बनवाने के लिए अभिषेक मिश्रा खुद सक्रिय रूप से पैरवी कर रहे हैं और इसे अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बना चुके हैं।

वहीं दूसरी ओर अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी बालकृष्ण वैश्य, नन्द कुमार सिंह नंदू, वरुण चौधरी और बाबूराम यादव के समर्थन में लगातार प्रयासरत बताए जा रहे हैं।राकेश मणि त्रिपाठी और परमानंद मिश्रा को संगठन की ÷खाटी उपज÷ माना जा रहा है, जिनकी अनदेखी करना पार्टी के लिए आसान नहीं होगा। इसी कारण उनका महानगर टीम में शामिल होना लगभग तय माना जा रहा है। वहीं शिवम शुक्ला के समर्थन में भी भाजपा का एक गुट, जिसमें अवधेश पांडे 'बादल' जैसे नेता शामिल हैं, सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

दिवाकर सिंह और अंशुमान मित्रा का पिछला कार्यकाल निर्विवादित रहा है इसे देखते हुए उनके पुनः समायोजन की संभावना प्रबल मानी जा रही है।

वही आकाश मणि त्रिपाठी की पैरवी पूर्व की भांति मणिराम दास छावनी के महंत कमल नयन दास कर रहे हैं।हालांकि सांसद गुट से किसे जगह मिलेगी, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है, जिससे असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वैसे लोगों की माने तो राजेश सिंह, रणधीर सिंह डब्लू को दावेदारी में गिना जा रहा है।इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल महानगर अध्यक्ष की भूमिका को लेकर उठ रहा है। आरोप है कि अध्यक्ष गुटबाजी को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा दे रहे हैं और सभी गुटों को साथ लेकर चलने में असफल साबित हो रहे हैं। पार्टी के लोगों का मानना है कि महानगर अध्यक्ष केवल सदर विधायक से सहमति लेकर सारे निर्णय ले रहे।यही वजह है कि संगठन में समन्वय की कमी साफ दिखाई दे रही है। इसके अलावा नामित पार्षदों की घोषित सूची में महापौर और पूर्व सांसद गुट की अनदेखी भी चर्चा का विषय बनी हुई है, जिससे असंतोष और बढ़ सकता है।

विधायक स्तर पर भी स्थिति कम विवादित नहीं है।

अलग-अलग नामों के समर्थन में खुलकर पैरवी किए जाने से यह संकेत मिल रहा है कि संगठनात्मक निर्णयों में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद हावी हो रही है। इससे पार्टी की छवि पर भी असर पड़ सकता है।कुल मिलाकर, महानगर संगठन का गठन इस बार केवल पदों के बंटवारे का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह शक्ति प्रदर्शन और गुटीय संतुलन की परीक्षा बन गया है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी नेतृत्व इस खींचतान को कैसे सुलझाता है और क्या संगठन को एकजुट रख पाने में सफल हो पाता है या नहीं।

राजघाट में 1251 कुण्डीय लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की कलश यात्रा से शुरूआत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राजघाट अयोध्या में आयोजित होने वाले 1251 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह हनुमत श्री राम महायज्ञ का शुभारंभ 20 मार्च को कलश यात्रा, जल यात्रा एवं भव्य शोभा यात्रा के साथ होगा।

इस संबंध में प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन श्री लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि यज्ञ 20 मार्च से 28 मार्च तक निरंतर चलेगा। प्रतिदिन सायंकाल देश के विभिन्न हिस्सों से पधारने वाले संत-महंतों द्वारा प्रवचन दिए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को धर्म एवं अध्यात्म की गहन जानकारी प्राप्त होगी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि आयोजन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए वालंटियरों की तैनाती की गई है, जो विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था और यातायात संचालन के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के कार्यक्रम में सहभाग कर सकें। आयोजन समिति ने इसे भव्य एवं सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। मौके पर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक अमित सिंह चौहान सहित अन्य लोगों की मौजूदगी रही।

अयोध्या में समाजसेवी को रोका अब खून से लिखेंगी मांग पत्र

» अर्चना तिवारी का प्रशासन पर आरोप, राष्ट्रपति को ज्ञापन देने से रोका

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। हिंदू नव वर्ष और चैत्र नवरात्रि के बीच अयोध्या में प्रशासनिक रवैये पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। समाजसेवी अर्चना तिवारी को उनके ही आवास पर करीब पांच घंटे तक 'हाउस अरेस्ट' रखने का मामला अब तूल पकड़ रहा है।आरोप है कि उन्होंने पूर्व में विधिवत अनुमति लेकर राष्ट्रपति को शांतिपूर्ण ज्ञापन देने की तैयारी की थी, उन्हें रोका गया। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि सुरक्षा कारणों से रोका गया तो प्रशासन ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की? राष्ट्रपति के प्रस्थान तक कोई अधिकारी ज्ञापन लेने नहीं पहुंचा और जाते ही नजरबंदी खत्म कर दी गई। अर्चना तिवारी ने इसे लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा पर सीधा प्रहार बताया है। उनका कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी फोन तक नहीं उठाते, तो आम जनता किस पर भरोसा करे।प्रशासन के इस रवैये से आहत तिवारी ने अब खून से मांग पत्र लिखकर शासन को भेजने का ऐलान किया है, जिससे मामला और गरमाने के संकेत मिल रहे हैं।

कोतवाली के सामने धूं-धूं कर जला 'छोटा हाथी'

फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रुदौली कोतवाली के ठीक सामने गुरुवार शाम एक पिकअप (छोटा हाथी) में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते वाहन आग के गोले में तब्दील हो गया और उठती लपटों ने आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैला दी। हैरानी की बात यह रही कि घटना पुलिस थाने के सामने हुई, लेकिन शुरुआती समय में लोग खुद ही आग बुझाने की कोशिश करते नजर आए। आग की चपेट म पास खड़ी एक मोटरसाइकिल भी आ गई, जो पूरी तरह जलकर खाक हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि संभलने का मौका तक नहीं मिला। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि चालक समय रहते वाहन से बाहर निकल गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। रुदौली कोतवाली पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

मिशन शक्ति अभियानः अयोध्या में महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता तेज

» स्कूलों, बाजारों और गांवों में महिला पुलिस का अभियान

» हेल्पलाइन से लेकर आत्मरक्षा तक दी जानकारीउठे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनपद अयोध्या में महिला पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति-05 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, बाजारों और गांवों में पहुंचकर महिलाओं, बालिकाओं और छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों को भी सख्त हिदायत दी गई।अभियान के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को केंद्र में रखते हुए छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, जिनमें 1090 (वूमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन) और 1930 (साइबर क्राइम) प्रमुख हैं। इसके साथ ही 'गुड टच-बैड टच', घरेलू हिंसा, साइबर अपराध और बचाव के उपायों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। पुलिस ने बताया कि प्रत्येक थाने में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित हैं, जहां महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श और शिकायत निस्तारण की सुविधा मिलेगी। पुलिस का संदेश साफ है कि जागरूक बनें, सुरक्षित रहें।

चंद्रघंटाः मां दुर्गा की तीसरी शक्ति की पावन कथा

अलौकिक वस्तुओं के दर्शन कराती हैं मां चंद्रघंटा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्रि में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए।

उनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी और सद्गति देने वाला है। इस देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्र है। इसीलिए इस देवी को चंद्रघंटा कहा गया है।

इनके शरीर का रंग सोने के समान बहुत चमकीला है। इस देवी के दस हाथ हैं। वे खड्ग और अन्य अस्त्र-शस्त्र से विभूषित हैं।

सिंह पर सवार इस देवी की मुद्रा युद्ध के लिए उद्धत रहने की है। इसके घंटे सी भयानक ध्वनि से अत्याचारी दानव-दैत्य और राक्षस कांपते रहते हैं।

नवरात्रि में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा का महत्व है। इस देवी की कृपा से साधक को अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं।

दिव्य सुगंधियों का अनुभव होता है और कई तरह की ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं। इन क्षणों में साधक को बहुत सावधान रहना चाहिए। इस देवी की आराधना से साधक में वीरता और निर्भयता के साथ ही सौम्यता और विनम्रता का विकास होता है।

इसलिए हमें चाहिए कि मन, वचन और कर्म के साथ ही काया को विहित विधि-विधान के अनुसार परिशुद्ध-पवित्र करके चंद्रघंटा के शरणागत होकर उनकी उपासना-आराधना करना चाहिए। इससे सारे कष्टों से मुक्त होकर सहज ही परम पद के अधिकारी बन सकते हैं। यह देवी कल्याणकारी है।

पिण्डजप्रवरारुढ़ा चण्डकोपास्त्रकेर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघण्टेति विश्रुता॥

मिडिल ईस्ट में 'तेल का युद्ध'

स्ट्रेट आफ होर्मुज पर घमासान अमेरिका पर बढ़ा जबरदस्त दबाव

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। करीब 20 दिनों से चल रही जंग में अमेरिका पर सैन्य, आर्थिक और रणनीतिक तीनों मोर्चों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। सबसे बड़ा संकट होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर खड़ा हो गया है, जहां जहाजों की आवाजाही लगभग ठप पड़ गई है और वैश्विक तेल सप्लाई पर खतरा मंडरा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस अहम समुद्री मार्ग को खुलवाने के लिए यूरोप, चीन और जापान सहित कई देशों से सहयोग मांगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने सहयोगियों के साथ मिलकर क्षेत्र में सैन्य अभियान तेज कर दिया है। ईरानी ड्रोन को रोकने के लिए अपाचे हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं, जबकि फाइटर जेट्स ईरानी नौसैनिक ठिकानों पर लगातार हमले कर रहे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, ईरान के मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है, जहां से एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों के जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार को खतरा पैदा हो रहा था।

> ⇨ **20 दिन की जंग में अरबों डॉलर खर्च, हवाई मोर्चे पर भी नुकसान, वैश्विक ऊर्जा संकट की आहट तेज**

दूसरी ओर ईरान अपने रुख पर अडिग है। संसद अध्यक्ष मोहम्मद-बाकर ग़ालिबाफ ने साफ संकेत दिए हैं कि होर्मुज अब पहले जैसी स्थिति में नहीं लौटेगा। शीर्ष नेतृत्व भी इस रणनीतिक मार्ग पर नियंत्रण बनाए रखने के पक्ष में है। विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया की करीब 20% तेल आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है। ऐसे में यहां जारी तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ला दी है और वैश्विक स्तर पर महंगाई व ईंधन संकट की आशंका गहरा गई है।

हवाई जंग में अमेरिका को झटका

मिडिल ईस्ट का संघर्ष अब खतरनाक हवाई युद्ध में बदलता जा रहा है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक अमेरिकी वायुसेना के कम से कम 16 सैन्य विमान नष्ट हो चुके हैं। इनमें 10 अत्याधुनिक एमक्यू-9 रीपर ड्रोन शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश को ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया। एक ड्रोन जॉर्डन में मिसाइल हमले की चपेट में आया, जबकि कुछ तकनीकी खामियों के कारण भी नष्ट हुए। सबसे चिंताजनक पहलू 'फ्रेंडली फायर' की घटनाएं रही हैं। कुवैत में गलत पहचान के चलते अमेरिकी सेना ने अपने ही तीन एफ-15 लड़ाकू विमानों को मार गिराया। इसके अलावा एक केसी-135 रिफ्यूलिंग टैंकर के क्रैश में चालक दल के छह सदस्यों की मौत हो गई। सऊदी अरब में तैनात पांच अन्य टैंकर भी मिसाइल हमलों में क्षतिग्रस्त बताए जा रहे हैं। हाल ही में एक अत्याधुनिक एफ-35 फाइटर जेट की इमरजेंसी लैंडिंग ने भी स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है।

ठिकानों पर हमले, खाड़ी में बढ़ा तनाव

ईरान ने अपने ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमलों के जवाब में कतर और सऊदी अरब के इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना तेज कर दिया है। इससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है। तेल बाजार पर इसका सीधा असर दिख रहा है और विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यदि होर्मुज पूरी तरह बंद होता है तो वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा सकता है।

200 अरब डॉलर का दांव, अमेरिका में सियासी घमासान

अमेरिका में युद्ध खर्च को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। पेंटागन ने ईरान के खिलाफ अभियान के लिए 200 अरब डॉलर की अतिरिक्त राशि की मांग की है, जिसे कांग्रेस की मंजूरी के लिए भेजा गया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस राशि पर स्पष्ट टिप्पणी से बचते हुए कहा कि युद्ध के लिए पर्याप्त फंडिंग जरूरी है। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब अमेरिकी संसद ने इस सैन्य अभियान को औपचारिक मंजूरी नहीं दी है। रिपब्लिकन पार्टी के 'फिस्कल हॉक्स' बड़े खर्च के विरोध में हैं, जबकि डेमोक्रेट्स स्पष्ट रणनीति के बिना समर्थन देने को तैयार नहीं हैं। यदि यह प्रस्ताव पारित होता है, तो पेंटागन का बजट मौजूदा स्तर से काफी ऊपर चला जाएगा, जिससे अमेरिकी राजनीति में नई खींचतान तय मानी जा रही है।कुल मिलाकर मिडिल ईस्ट की यह जंग अब सिर्फ सैन्य टकराव नहीं रह गई है, बल्कि 'ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक शक्ति संतुलन' की लड़ाई बनती जा रही है जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ना तय है।

जंग किस दिशा में जा रही है?

- **'चोक पॉइंट' की लड़ाई:** होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण इस युद्ध की सबसे बड़ी रणनीतिक कुंजी बन चुका है।
- **अमेरिका की सीमित बढ़तः** हवाई ताकत के बावजूद अमेरिका इस बार पूर्ण नियंत्रण स्थापित नहीं कर पा रहा है।
- **ईरान की 'असिमेट्रिक रणनीति':** ड्रोन, मिसाइल और समुद्री अवरोधों के जरिए ईरान पारंपरिक युद्ध से हटकर दबाव बना रहा है।
- **वैश्विक असरः** तेल कीमतों में उछाल से दुनिया भर में महंगाई और आर्थिक अस्थिरता बढ़ सकती है।
- **जंग का विस्तार संभवः** कतर, सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देश सीधे संघर्ष में खिंच सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com